कान्हा मोरे | by Manya Singh

कान्हा मोरे आओ मुरली सुनाओ
तान सुरीली मतवाली हो गई
श्याम सलोने की दीवनी हो गई
मेरे गिरधारी मैं तुम्हारी हो गई

मोर मुकुट पीताम्बर सोहे
घूंघर केश तुम्हारे
श्याम धणी तोहे वारि वारि जाऊं
नैन तेरे कजरारे
बंसी बजैया रास रचैया
झूम के गाऊं मतवारी हो गई
श्याम सलोने की दीवनी हो गई
मेरे गिरधारी मैं तुम्हारी हो गई

ओ गोविंदा प्राण प्यारे
थाम लो हाथ हमारा
मान्या की तो से अर्ज़ी यही है
साथ ना छोड़ हमारा
माखन मिश्री भोग लगाऊं
श्रद्धा सुमन से तुझको मनाऊं
कृष्ण तू मेरा बनवारी मैं तेरी
श्याम सलोने की दीवनी हो गई
मेरे गिरधारी मैं तुम्हारी हो गई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-manya-singh/